निस्ट (आर आर एल) में राजभाषा हिंदी सप्ताह संपन्न

Air Commodore H Sahni, Air Force Hospital, Jorhat delivering his address as Chief Guest on the occasion of Hindi Diwas observed at CSIR-NEIST. Dignitaries present in the dais are (from right), Dr D Ramaiah, Director, CSIR-NEIST and Dr D Prajapati, Chief Scientist & Chairman, Official Language Implementation Committee, CSIR-NEIST.

प्रत्यक्ष वर्ष क भांति इस वर्ष भी सीएसआईआर-उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट न राजभाषा हिंदी को कार्यालयीन कार्य में उत्तरोत्तर वृद्धि करन क लिए संस्थान में राजभाषा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया एवं संस्थान क विशाल सभागार में विभिन्न कार्यक्रमों क साथ 14 सितम्बर को हिंदी दिवस समारोह भव्य रूप स मनाया गया ।

अपन निर्धारित समय क अनुरूप कार्यक्रम का शुभारंभ राजभाषा प्रभारी श्री अजय कुमार न भारत सरकार क गृह मंत्री क हिन्दी दिवस संदश पढ़कर किया । समारोह क मुख्य अतिथि क रूप में एयर कोमोडोर एच साहनी, वायु सना अस्पताल, जोरहाट उपस्थित थ। अपन व्याख्यान में कोमोडोर साहनी न कहा कि हजार वर्ष पूर्व भारतीय अपनी भाषा और संस्कृति पर गौरव करत थ विदशी लोग यहाँ की संपन्नता को समझन क लिए यहाँ की भाषा को सीखना चाहत थ । यहाँ की भाषा संस्कृत ही नहीं बल्कि हिन्दी, असमियाँ आदि क्षत्रीय भाषाओं में वैज्ञानिकता है । जबकि आज हम मात्र डढ़ सौ साल पुरानी अँग्रजी भाषा क प्रशंसक बन गए हैं । हाल ही में विकसित इस भाषा को हम गौरव क साथ स्वीकार कर रह हैं और अपनी धरोहर को भूलत जा रह हैं । आज हिन्दी और असमियाँ बोलन में इतना गौरव नहीं होता है जितना अँग्रजी बोलन में होता है । हमें अपनी भाषा रूपी धरोहर को बचान क लिए आग आना होगा । नयी पीढ़ी में अपनी भाषा क प्रति अलख जगाना होगा । उन्होन कहा जर्मनी में संस्कृत पर जितना अध्ययन किया जा रहा हैं उतना भारत में भी नहीं हो रहा है क्योंकि व हमारी पौराणिक ज्ञान क भंडार को समझना चाहत हैं । दुनियाँ क 150 विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा की पढ़ाई हो रही है । जबकि हम भारत में भारतीय हिन्दी को आग बढ़ान क लिए हिन्दी दिवस मना रह है । उन्होन हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं को पढ़न पर बल दिया ।

निस्ट, जोरहाट क निदशक डॉ डी रामाय्या न अपन सम्बोधन में सभी कार्मिकों को हिन्दी दिवस की शुभकामना दी एवं कार्यालय में राजभाषा हिन्दी क प्रचार-प्रसार पर बल दिया । उन्होन विज्ञान क अनुसंधान को सरल रूप में हिन्दी एवं क्षत्रीय भाषा में प्रसार करन की आवश्यकता क बार में कहा, ताकि विज्ञान को जन मानस तक पहुंचाया जा सक । डॉ डी रामाय्या न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जोरहाट का भी उल्लख किया जिसक व वर्तमान अध्यक्ष है । अपन स्वागत संबोधन में मुख्य वैज्ञानिक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति क अध्यक्ष डा. डी प्रजापति न उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं हिन्दी दिवस मनाए जान क कारण पर चर्चा किया । राजभाषा नियम क अनुसरण में

संस्थान में राजभाषा हिंदी गतिविधियों एवं सुविधाओं का उल्लेख किया । संस्थान में चल रहे हिन्दी कार्यक्रम का ब्योरा भी प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन श्री अजय कुमार, प्रभारी राजभाषा ने किया । उन्होनें संस्थान में 7 से 14 सितम्बर के दौरान आयोजित राजभाषा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के हिंदी प्रतियोगिताओं हिंदी श्रुत लेखन, हिंदी लेख लेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी के विजेताओं के नामों की घोषणा की और मुख्य अतिथि महोदय के कर कमलों से उन्हें पुरूस्कार एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया । हिंदी शिक्षण योजना भारत सरकार के अंतर्गत प्रबोध/प्रवीण/प्राज्ञ हिंदी भाषा पाठ्यक्रम पास स्टाफ सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । अंत में बिल अनुभाग के श्री संजय सौरभ टोप्नों ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।